Exam. Code: 0010
Sub. Code: 0755

1058
B.A./B.Sc.(Hons.)-6th Semester
Hindi
Paper-IV (B)

Time allowed: 3 Hours | Max. Marks: 90

नोट: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। विकल्प प्रश्नों के भीतर ही हैं।

-*-*-*-

प्रश्न–१: निम्नलिखित अवतरणों में से **किसी एक** की संदर्भ सहित व्याख्या करें।

दुर्दिन जब आते हैं
तो पहले
व्यक्ति का स्वतंत्र–बोध
चिंतन
औ' प्रज्ञा हर लेते हैं।
अनायास
मन की वैचारिक स्थितियाँ
प्रतिबंधित कर देते हैं
पार्श्व में प्रसंगों में
लघुता भर देते हैं।

अथवा

विधाता के नियमों की विडम्बना है
चाहे न चाहे
किंतु
शासक की भूलों का उत्तरदायित्व
प्रजा को वहन करना पड़ता है,
उसे गलित मूल्यों का दण्ड भरना पड़ता है
और मैं मनुष्य ही नहीं हूँ
मैं प्रजा भी हूँ। (10)

(ख) 'एक कंठ विषपायी' के आधार पर सर्वहत का चरित्र–चित्रण करें।

अथवा

'एक कंठ विषपायी' का प्रतिपाद्य देते हुए उद्देश्य स्पष्ट करें। (16)

प्रश्न–२: किन्हीं **चार** छन्दों के लक्षण–उदाहरण दें:–

भुजंग प्रयात
मालिनी
मंदाक्रांता
शिखरिणी
अहीरमनव
बरवै (4×5)

P.T.O.

प्रश्न–३: किन्हीं **चार** अलंकारों के लक्षण–उदाहरण दें:–

अन्योक्ति
तुल्य योगिता
उल्लेख
व्याज स्तुति
अनन्वय
विभावना (4×5)

प्रश्न–४: किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें:–

(क) ब्रजभाषा के क्षेत्र का परिचय देते हुए इसकी प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालें।

(ख) मानक हिन्दी की शब्द–संरचना का विस्तार से वर्णन करें

(ग) राजभाषा हिन्दी की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करें

(घ) देवनागरी लिपि के मानक रूप का विस्तार से परिचय दें। (2×12)

-*-*-*-